140 दिनों में पक कर तैयार हो जाता है और इसकी उपज क्षमता 17 क्विंटल/है० है।

मसूर

पूसा वैभव: यह किस्म छोटे बीजों वाली है और उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों के लिए जारी की गई है। यह किस्म रतुआ व तना छेदक की प्रतिरोधी है। इस किस्म की औसत उपज 17.8 क्विंटल/है० है।

कृषि आधारित उद्योगों का विस्तार

1717. श्री राज मोहिन्दर सिंह:
श्री कपिल सिब्बल:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा देश में दुग्ध उत्पादन उद्योग, पशुपालन उद्योग जैसे कृषि आधारित उद्योगों का विकास तथा विस्तार करने हेतु कोई योजना तैयार की गई है;

(ख) यदि हां, तो सरकार ने किन-किन उद्योगों के लिए क्या-क्या विकास व विस्तार योजनाएं तैयार की हैं; और

(ग) प्रत्येक कृषि-आधारित उद्योग के लिए चालू वित्तीय वर्ष में कितनी-कितनी राशि वार्षिक बजट में आबंटित की गई थी और दिसम्बर, 1998 तक इसमें से कितनी राशि व्यय किए जाने का आकलन किया गया है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) और (ख) योजना के दौरान सरकार की कार्यनीतियों और नीतियों का जोर गोपशु और भैंसों के आनुवंशिक उन्नयन पर दिया गया है ताकि उनके उत्पादकता स्तर बढ़ाए जा सकें और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि की जा सके। ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम की सफलता के बाद विभाग ने गैर ऑपरेशन फ्लड, पहाड़ी और पिछड़े क्षेत्रों में एकीकृत डेयरी विकास परियोजना और राष्ट्रीय गोपशु और भैंस प्रजनन परियोजना तैयार की है और इन योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

(ग) इन योजनाओं के अंतर्गत चालू वर्ष म वार्षिक योजना में आबंटित राशि दिसम्बर, 1998 तक खर्च की गई राशि का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

करोड़ रुपए में

योजना का नाम	आबंटित राशि 1999-2000	खर्च की गई राशि दिसम्बर, 1998
1. गैर-ऑपरेशन फ्लड, पहाड़ी और पिछड़े क्षेत्रों में समेकित डेयरी विकास परियोजना	45.00	9.70
2. गोपशु और भैंस प्रजनन संबंधी राष्ट्रीय परियोजना	47.00	6.04*

* हिमित वीर्य प्रौद्योगिकी विस्तार, संतति परीक्षण और राष्ट्रीय सांड उत्पादन कार्यक्रम की घटक योजनाओं के तहत।

कृषि संबंधी नवीन अनुसंधानों के लाभ

1718. श्री कपिल सिब्बल:
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार प्रयोगशालाओं में किए गए कृषि संबंधी नवीनतम अनुसंधानों के लाभ देश के कृषकों तक पहुंचाने के लिए स्थायी व्यवस्था कायम करने पर विचार कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो इस व्यवस्था की रूपरेखा क्या है; और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोम पाल): (क) और (ख) किसानों तक कृषि अनुसंधान के लाभ पहुंचाने के लिए निश्चित ही स्थायी व्यवस्था मौजूद है तथा स्थायी व्यवस्था की रूपरेखा में निम्नलिखित शामिल हैं:—

राज्य विस्तार एजेंसियां अनुसंधान प्रणाली द्वारा विकसित नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के संबंध में किसानों को शिक्षित बनाने के लिये खेत पर दिशा-निर्देश के अलावा, प्रशिक्षण, प्रदर्शन तथा प्रदर्शन दौरों का आयोजन करती है।

प्रदर्शनी, किसान मेला, क्षेत्र दिवस, सामूहिक बैठक तथा प्रिन्ट व इलेक्ट्रानिक संचार माध्यमों

से ऐसे प्रयासों को पूरा किया जाता है। कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषक प्रशिक्षण केन्द्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय, गैर-सरकारी संगठन, सहकारी समितियां, निगमित क्षेत्र तथा आदान एजेंसियां भी प्रचार-प्रसार में भाग लेती हैं।

Research Centre at Salem

1719. PROF. M. SANKARALINGAM: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government propose to open a research centre at Salem in Tamil Nadu for research in the tobacco cultivation;

(b) if so, the steps taken to establish a centre in Tamil Nadu; and

(c) if not, will Government reconsider the scheme?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) No, Sir.

(b) Question does not arise.

(c) The existing research station of Central Tobacco Research Institute at Vedasandur in Tamil Nadu is catering to the needs of tobacco cultivators of entire Tamil Nadu.

Establishment of Indian Council for Veterinary Research

1720. PROF. M. SANKARALINGAM: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to establish an Indian Council for Veterinary Research (ICVR) in our country;

(b) if so, the stage for the establishment of ICVR; and

(c) if not, will Government reconsider their stand in view of the necessities of research to bring up high yielding milking animals to make success of the white revolution and the necessity to control effectively the spread of contagious diseases in the cattle in our country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) Yes, Sir.

(b) As the Ministry of Finance has advised this Department to maintain the status quo on this issue till a final decision is taken regarding the merger of this Department with the Department of Agriculture and Cooperation as recommended by the Fifth Central Pay Commission, the setting up of ICVR is deferred.

(c) Does not arise.

Krishi Vigyan Kendra

1721. SHRI RAJNATH SINGH 'SURYA': Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) how many Krishi Vigyan Kendras are working in the State of U.P. and since when;

(b) whether there is any proposal to close down some of them in coming years;

(c) if so, the names thereof; and

(d) the reasons for doing so?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) Twenty nine Krishi Vigyan Kendras have been established in Uttar Pradesh. The list of KVKs and year of establishment is enclosed in the Statement. (*See* below)

(b) to (d) No, Sir. At the request of the concerned NGOs for effective technological back-stopping the functioning of the KVKs at Meerut and Muzaffarnagar have been transferred to G.B. Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar. Similarly, the KVKs at Siddharthnagar to N.D. University of Agriculture & Technology, Faizabad and Lucknow to Indian Institute of Sugarcane Research, Lucknow are also being transferred.